विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ , लखिसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-31/05/2020***
वर्ग-पंचम ***वर्ग-शिक्षिका — नीतू कुमारी***

पाठ-3 (क़दम्ब का पेड़)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने कविता अध्ययन करने दिया गया था। बच्चों हमें पूर्ण विश्वास है कि आपने कविता ज़रूर याद किए होंगे, आज उसी कविता का भावार्थ इस प्रकार है—

प्रस्तुत कविता में कवियित्रि कविता के ज़रिए अपनी माँ से कहती हैं कि — ' माँ अगर ये क़दम्ब का पेड़ यमुना के किनारे होता तो मैं उसपर बैठ कृष्ण की तरह बनता। तुम मुझे एक बाँसुरी ला देती और ये डाली किसी तरह नीचे हो जाती।मैं तुम्हें बिना बताए यहाँ चुपके से आ जाता और इस नीची डाली से चढ़ते हुए ऊँची डाली पर चला जाता। फिर वहाँ बैठ कर बाँसुरी बजाता और बाँसुरी के स्वर में मै अम्माँ-अम्माँ कहकर तुमको बुलाता। मेरी बंसी को सुनकर तुम इतना ख़ुश हो जाती की काम छोड़कर मुझे देखने के लिए आ जाती। जब तुमको आता मैं देखता,तो बाँसुरी बजाना छोड़कर मैं पत्तों में छिप जाता।

तुम गुस्सा होकर मुझे डाँटती और नीचे उतरने को कहती। फिर भी मैं जब नहीं उतरता, तो तुम हँसकर कहती , "मुन्ने-राजा! नीचे उतर जाओ। मैं तुमको मिठाई , माखन मिसरी और नए खिलौने दूँगी। तब मैं हँसकर और ऊपर चढ़ जाता और एक बार माँ कहकर वहीं पत्तों में छिप जाता। जब बहुत बुलाने पर भी मैं उतरकर नहीं आता तो तुम परेशान हो जाती।
तुम वहीं बैठकर भगवान से मेरे लिए विनती करने लगती। और मैं धीरे से आता और तुम्हारे आँचल ले नीचे छिप जाता। तुम फिर आँख खोलती और मुझे गोदी में देखकर ख़ुश हो जाटी। इस कविता का आशय यही है।

इस भावार्थ को अपने वर्ग कार्य कॉपी में सुंदर अक्षरों में लिखें।

<u>गृहकार्य</u> :—-
1.शुद्ध उच्चारण कीजिए—
क़दम्ब, कन्हैया , बाँसुरी , अम्माँ , ग़ुस्सा , डाँटती , विकल,
आँचल
2.उचित विलोम शब्द पर सही (✔) का निशान लगाइए। :—
(क) बैठना - _ सोना ( ) उठना ( )
(ख) सुर - असुर ( ) बेसुर ( )
(ग) हँसकर - रोना ( ) रोकर ( )
(घ) धीरे - तेज़ ( ) धीमे ( )

3.इन पंक्तियों में किस काल का प्रयोग हुआ है ? सही(✔) का निशान लगाइए:—
(क) नीचे उतरो मेरे भैया! तुम्हें मिठाई दूँगी।
भूत काल ( ) भविष्य काल ( )
(ख) बच्चा कृष्ण बनने की कल्पना कर रहा है।
वर्तमान काल ( ) भविष्य काल ( )
(ग) हम भी बचपन में शरारतें करते थे।
भूत काल ( ) भविष्य काल ( )